श्रीयादे की महिमा निराली भजन लिरिक्स

श्रीयादे की महिमा निराली,

दोहा – कर में कुण्डल मन में माला,
लेती हरि को नाम,
ऐसी बणी भक्त मैया जी,
जो है भगवत में भगवान।

श्रीयादे की महिमा निराली,
हांड़ा बणाबां वाली,
वां म्हारी जरणी जोग माया हो जी।bd।

शालिग्राम की सेवा करती,
राम नाम ने भजती,
वां म्हारी जरणी जोग माया हो जी।bd।

तुलसी की या माला फेरे,
चन्दन तिलक लगावे,
वां म्हारी जरणी जोग माया हो जी।bd।

देवां की भी देव धराणी,
संत सायबा राणी,
वां म्हारी जरणी जोगमाया हो जी।bd।

'रतन' थारी महिमा गावे,
चरणां सिश नमावे,
मां म्हारी जरणी जोग माया हो जी।bd।

श्री यादे की महिमा निराली,
हांड़ा बणाबां वाली,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

वां म्हारी जरणी जोग माया हो जी।bd।

गायक व रचना – पंडित रतनलाल प्रजापति।
मो.- 7627022556

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com